राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद
छत्तीसगढ़

स्वब्रिक्स

संस्कृत

कक्षा 6 से 8

वर्ष 2019–20

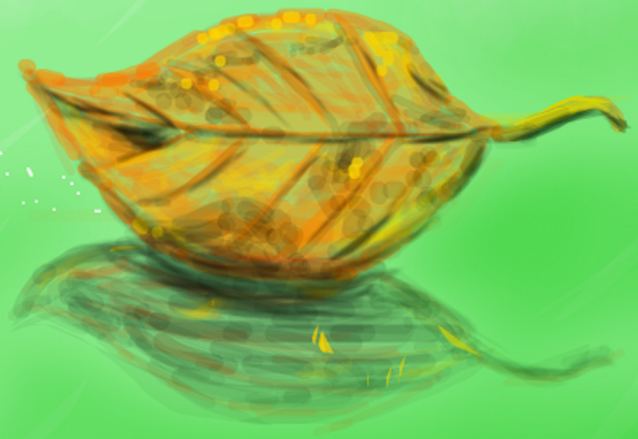

मार्गदर्शक

पी. दयानंद (IAS)

संचालक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, छ.ग., शंकरनगर, रायपुर

सहायक नोडल अधिकारी राज्य आकलन केन्द्र

डॉ. सुनीता जैन

अतिरिक्त संचालक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, छ.ग., शंकरनगर, रायपुर

विशेष सहयोग

के.पी.एम.जी., इंडिया

विषय समन्वयक

संस्कृत – डॉ. विद्यावती चन्द्राकर

संकलन

डेकेश्वर प्रसाद वर्मा

तकनीकी सहयोग

आई संध्यारानी, संतोष कुमार तंबोली

ले–आउट

सुधीर वैष्णव

आमुख

किसी भी समाज की शिक्षा उस समाज की आवश्यकताओं और चुनौतियों के परिप्रेक्ष्य में होनी चाहिए। वर्तमान संदर्भों में यह जरूरी है कि बच्चे न केवल राष्ट्र के योग्य नागरिक बने बल्कि वैश्विक नागरिक बन कर सफलता हासिल करें। यह तभी संभव होगा, जब बच्चों में वैश्विक कौशलों का विकास किया जाए, जिससे प्रत्येक बच्चा हुनरमंद, योग्य नागरिक बनकर समाज की उन्नति में अपना योगदान दे सके।

यह आवश्यक हो गया है कि प्रत्येक बच्चे के नजरिये से शिक्षा व्यवस्था का विश्लेषण किया जाए। इस विश्लेषण से उपजे परिणाम विकास का रास्ता तय करने में हमारी मदद करेंगे।

इस दिशा में सार्थक प्रयास आरंभ किए गए। राज्य स्तर पर सर्वप्रथम मंथन कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इन कार्यशालाओं में से एक प्रमुख चुनौती पूरी तीव्रता के साथ उभर कर सामने आई, वह थी, कक्षाओं में आकलन और अध्यापन का अलग–अलग होना। इससे बच्चों की नियमित व सतत् प्रगति का आकलन दुष्कर कार्य सिद्ध हुआ, साथ ही बच्चों के लिए सही समय पर उपचारात्मक शिक्षण (Remediation) में भी कठिनाईयाँ आईं।

आकलन यदि सीखने–सिखाने की प्रक्रिया का आवश्यक अंग बन जाता है तो बच्चे की प्रगति की नियमित जानकारी ली जा सकेगी, इस जानकारी के विश्लेषण के आधार पर यह पता लगाना संभव हो सकेगा कि कहाँ और किन क्षेत्रों में किस तरह के उपचार या सुधार कार्यों की आवश्यकता है।

इस रणनीति के तहत राज्य आकलन केन्द्र की स्थापना कर आगामी तीन वर्षों में सुधार, प्रगति व गुणवत्ता संवर्धन हेतु लक्ष्य निर्धारित किए गए :

1. सत्र 2019–20 में बेसलाइन आकलन
2. सत्र 2020–21 में मिडलाइन आकलन
3. सत्र 2021–22 में एण्डलाइन आकलन

इस तरह लक्ष्य को अंजाम तक पहुँचाने की पूर्ण तैयारी की गई। समूची शिक्षा व्यवस्था के प्रत्येक अंग को रचनात्मक, सावधिक एवं योगात्मक आकलन के लिए तैयार किया गया है। विषयवार लर्निंग आउटकम्स आधारित अभ्यास पुस्तिकाएँ, प्रश्न बैंक, रूब्रिक्स तैयार कर स्कूलों में भेजने एवं प्रशिक्षणों की सशक्त व्यवस्थाएँ राज्य स्तर पर की गई हैं। हमारा यही प्रयास हमारी गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक विकास यात्रा को सार्थकता प्रदान करेगा।

इसी क्रम में यह शैक्षिक सामग्री आपको सौंपी जा रही है। विश्वास है कि बच्चों में विभिन्न कुशलताओं के विकास करने में यह सामग्री आपको सहयोग प्रदान करेगी।

नवम्बर 2019

रायपुर

पी.दयानंद IAS
संचालक
एस.सी.ई.आर.टी.,छ.ग.

अनुक्रमणिका

क्र.	विषय वस्तु		पृष्ठ क्रमांक
1.	छठवीं		1 – 5
2.	सातवीं	-	6 – 11
3.	आठवीं	-	12 – 16

कक्षा - 6

Chapter	Sub-topics	Level 1	Level 2	Level 3	Level 4
पाठ के बाद, विद्यार्थी कर सकेंगे :		याद करना, स्मरण करना, सूचीबद्ध करना, खोजना, लेबल करना, वर्णन करना	समझना, व्याख्या करना, संक्षेप में लिखना, उदाहरण देना, मेल करना	प्रयोग करना, व्यवस्थित करना, उपयोग करना, हल करना, साबित करना, चित्रण करना	मूल्यांकन करना, परिकल्पना करना, विश्लेषण करना, तुलना करना, सृजन करना, वर्गीकरण करना
प्रथमः पाठः संवादः **1.1 हट्टवार्ताः** **1.2 छात्रालापः** **1.3 परिजनसंवादः** **1.4 मनोहरम् उद्यानम्** **1.5 बुभुक्षिता लोमशा**	• पठन अनुवाद • मौखिक कार्य • व्याकरणिक कार्य • प्रश्नोत्तर अभ्यास	• संवाद शैली से परिचित होना एवं हाव–भाव के साथ पात्रानुसार संवादों का वाचन करना। • कठिन पदों के अर्थ को समझना। • प्रश्न वाचक पद एवं वाक्य परिचय। • आपण (बाजार) विद्यालय, परिवार, उद्यान विषय में सामान्य जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। • LS 606 • संवादात्मक पाठों को हाव–भाव के साथ पढ़ सकेंगे।	• मौलिक व्याख्या करना विलोम पद, पर्यायवाची सरल सन्धि–समास को जानना विच्छेद करना। • दैनिक जीवन में अनेक उपयोगी शब्दों को संस्कृत में जान सकेंगे। • LS 615 • विभक्तियों/लकारों का प्रयोग कर सकेंगे।	• लट्लकार–धातुरूप को पहचानेंगे एवं अन्य वाक्यों में उसका उपयोग करेंगे। • पाठ में प्रयुक्त अकारान्त शब्दों की पहचान करना व उसके शब्दरूप को विभक्ति–वचन –अर्थ सहित समझना।	• संवाद के रिक्त पंक्तियों को पूरा कर सकेगा। • नवीन परिस्थितियों अवसरों पर सरल संवाद को संस्कृत में व्यक्त कर सकेगा। • नवीन अकारान्त शब्द के कारक रूप व धातुरूप बना सकेगा। • LS 612 • विभिन्न अवसरों पर कही जा रही बातों को अपने ढंग से बोल व लिख सकता हैं।
द्वितीयाः पाठः गावोविश्वस्य मातरः	• पठन अनुवाद • मौखिक कार्य • व्याकरणिक कार्य	• पाठ को शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ना व अनुवाद कर सकना। • कठिन पदों के शब्दार्थ जान सकेंगे।	• गाय के विभिन्न उत्पादों जैसे दूध, घी, दही, गोबर, गौमूत्र की उपयोगिता को समझसकेगा। • अव्यय पदों की पहचान व	• गाय के की तुलना अन्य पालतु पशुओं से कर सकता है। • गो (ओकारान्त पु.) के शब्दरूप को जान सकेंगे।	• गाय के विषय में अपने शब्दों में दशवाक्य लिख सकता है। तथा अन्य परिचित पशु के विषय में बोल सकता है।

	• प्रश्नोत्तर अभ्यास	• LS 603 • संस्कृत के गद्य को सही उच्चारण के साथ पढ़ते हैं।	वाक्य में प्रयोग कर सकेंगे। • LS 609 • किसी पाठ्य वस्तु को पढ़कर उसके विषय वस्तु को समझते हुए अनुमान लगाते हैं व निष्कर्ष निकालते हैं।		
तृतीयः पाठः राष्ट्रध्वजः	• पठन अनुवाद • मौखिक कार्य • व्याकरणिक कार्य • प्रश्नोत्तर अभ्यास	• राष्ट्रीय प्रतीकों को जान सकेगा। • अशोक चक्र के महत्व को जान सकेगा। • तीनो रंगों के गुणों को जान सकेगा। • कठिन शब्दों के अर्थ समझ सकेगा। • LS 607 • संस्कृत के नये–नये शब्दों के अर्थ संग्रहकर शब्द भण्डार में वृद्धि करते हैं।	• अन्य रंग कौन–कौन से गुणों का प्रतीक है जान सकेगा। • षष्ठी विभक्ति के प्रयोग से अवगत हो सकेगा। • LS 607	• पाठ में प्रयुक्त क्रिया पदों को जानकर वाक्य में प्रयोग कर सकेगा। • पाठ में प्रयुक्त प्रत्यय पदों को जान कर वाक्य प्रयोग कर सकेगा। • LS 611 • नए शब्दों के प्रति जिज्ञासा व्यक्त करते है और उसका अर्थ समझने के लिए शब्द कोश का प्रयोग करते हैं।	• राष्ट्र ध्वज के इतिहास को जान सकेगा। • राष्ट्रध्वज के संबंध में अपने शब्दों में लिख पायेगा। • LS 613 • विभिन्न विषयों उद्देश्यों के लिए उचित व्याकरणिक तत्वों का उपयोग करते हैं।
चतुर्थः पाठः मम परिवारः	• पठन अनुवाद • मौखिक कार्य • व्याकरणिक कार्य • प्रश्नोत्तर अभ्यास	• कठिन शब्दों के अर्थ जान सकेगा। • पाठ का शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ना व अनुवाद करना। • LS 603 • संस्कृत के गद्य एवं पद्य (श्लोको) को सही उच्चारण के साथ पढ़ते हैं।	• स्वास्थ्य संबंधी व्यवहारिक ज्ञान को जान सकेगा। • अपने परिवार के लागों के कार्य को सूची बद्ध कर सकेगा। • LS 609 • किसी पाठ्य वस्तु की बारिकी से जाँच करते हुए उनमें दिये विशेष बिन्दु को खोजते हैं। अनुमान लगाते हैं निष्कर्ष निकालते हैं।	• अपने एवं अपने परिवार की जानकारी संस्कृत में दे सकेगा। • संख्यावाची विशेषण शब्दों को जान कर प्रयोग कर सकेगा। • LS 609	• बड़ा परिवार एवं छोटा परिवार की तुलना कर सकेगा। • पारिवारिक संबंधों का संस्कृत में नाम जान सकेगा। • LS 616 • किसी नवीन विषय पर विचार व्यक्त कर पाते हैं।

पञ्चमः पाठः **प्रश्नोत्तरम्**	• पठन अनुवाद • मौखिक कार्य • व्याकरणिक कार्य • प्रश्नोत्तर अभ्यास	• वस्त्रो या धारण किये जाने वाले पोषाको का नाम संस्कृत में जान सकेगा। • दूसरे ग्रह एवं उपग्रह को जान सकेगा। • पर्यायवाची शब्द जान सकेगा। • LS 607 • संस्कृत के नये–नये शब्दों के अर्थ संग्रहकर शब्द भण्डार में वृद्धि करते है।	• बड़ों का अभिवादन एवं सम्मान कर सकेगा। • लट्लकार को समझ सकेगा। • LS 615 • विभक्तियों/लकारों का प्रयोग दैनिक जीवन में कर पाते हैं।	• अकारान्त पदों का शब्दरूप जानकर वाक्य में प्रयोग कर सकेगा। • LS 615	• सूर्य शब्द की तरह कुछ नये शब्दों की व्युत्पत्ति को जान सकेगा। • पाठ में प्रयुक्त लट्लकार के रूपों को चुनकर अन्य वाक्यों में प्रयोग कर सकेगा। • LS 615
षष्ठः पाठः **छत्तीसगढ–प्रदेशः**	• पठन अनुवाद • मौखिक कार्य • व्याकरणिक कार्य • प्रश्नोत्तर अभ्यास	• छ.ग. प्रदेश की नदी और ऐतिहासिक स्थलों की जानकारी प्राप्त कर सकता है। • कठिन शब्दों के अर्थ जान सकेगा। • LS 611 • नए शब्दों के प्रति जिज्ञासा व्यक्त करते हैं और उसका अर्थ समझने के लिए शब्दकोश का प्रयोग करते हैं।	• छत्तीसगढ़ प्रदेश के पड़ोसी राज्यों का नाम जानकर समझ सकेगा। • अपने जिले के विषय में जानकारी प्राप्त कर सकेगा।	• छत्तीसगढ के प्रमुख नदियों के उदगम स्थलों व प्रवाह तंत्र को जान पायेगा। • अपने प्रदेश के गौरव को जान पायेगा। • LS 616 • किसी नवीन विषय पर विचार व्यक्त कर पाते हैं।	• छत्तीसगढ़ प्रदेश के विषय में संस्कृत में वाक्य रचना कर सकता है।
सप्तमः पाठः **बालकः ध्रुवः**	• पठन–पठन अनुवाद • भाषिक कार्य • व्याकरणिक कार्य • प्रश्नोत्तर अभ्यास	• कठिन शब्दों के अर्थ जान सकेगा। • पर्यायवाची, विलोम शब्द स्त्रीलिंग–पुल्लिंग की पहचान कर सकेगा। • LS 607 • संस्कृत के नये–नये शब्दों के अर्थ संग्रह कर शब्द भण्डार में वृद्धि करते हैं।	• सरल वर्ण संयोजन एवं सरल वर्ण विग्रह को जान सकेंगे। • पाठ में प्रयुक्त अव्यय पदों को छाँट कर लिख सकेंगे। • संस्कृत के शुद्ध रूपों को जान पायेंगे एवं लिख पायेंगे। • LS 605	• किसी अन्य हिन्दी कहानी का संस्कृत में अनुवाद कर सकेगा। • अन्य कहानियों से तुलना कर सकेंगे। • LS 608 • कथा यात्रा वृतान्त मेला तथा पर्यावरण से संबंधित पाठों के सारांश अपने शब्दों में व्यक्त कर सकेगें।	• संबंधित पाठ के सारांश को अपने शब्दों में व्यक्त कर पायेंगे। • अन्य बालक जैसे लव–कुश, प्रहलाद इत्यादि के साथ तुलना कर सकेगा। • LS 608

			• पाठ्य पुस्तक की पाठ्य वस्तु के संस्कृत शब्दों को शुद्ध रूप से लिखते हैं।		
अष्ठमः पाठः आधुनिकयुगस्य आविष्काराः	• पठन–पठन अनुवाद • भाषिक कार्य • व्याकरणिक कार्य • प्रश्नोत्तर अभ्यास	• दैनिक जीवन में प्रयुक्त आधुनिक यन्त्रो के नाम संस्कृत में जान सकेंगे। • पर्यायवाची, विलोम पदों को जान पायेंगे। • LS 602 • दैनिक जीवन में प्रयुक्त सामग्रियों के यंत्रों के नाम संस्कृत में प्रस्तुत करते है जैसे– बस–लोकयानम्, कार–कारयानम्, बल्ब–गोलदीपः	• कम्प्यूटर, दूरदर्शन एवं रेडियो यंत्र की उपयोगिता समझ कर तीनों में अन्तर कर पायेगा। • LS 607 • संस्कृत के नये–नये शब्दों के अर्थ संग्रहकर शब्द भण्डार में वृद्धि करते हैं।	• चलित दूरभाषयंत्र के उपयोग से होने वाली लाभ और हानि को जान सकेगा। • LS 607	• अन्य आधुनिक यंत्रों का नाम संस्कृत में जान सकेगा एवं उसकी उपयोगिता को अपने शब्दों में लिख सकेगा। • LS 611 • नए शब्दों के प्रति जिज्ञासा व्यक्त करते हैं और उसका अर्थ समझने के लिए शब्दकोश का प्रयोग करते हैं
नवमः पाठः मेलापकः	• पठन–पठन अनुवाद • भाषिक कार्य • व्याकरणिक कार्य • प्रश्नोत्तर अभ्यास	• पाठ को शुद्धोच्चारण एवं हाव–भाव के साथ पढ़ना व अनुवाद कर सकना। • कठिन पदों के शब्दार्थ को जान सकेगा। • LS 606 • संवादात्मक पाठों को हाव–भाव के अनुसार पढ़ सकते हैं।	• मेला–मड़ई के विषय में जान सकेगा। • विजयादशमी उत्सव ग्राम में होने वाले राम लीला के महत्त्व को जान सकेगा। • LS 612 • विभिन्न अवसरों पर कही जा रही बातों को अपने ढंग में लिखते हैं।	• विभिन्न अवसरों पर होने वाले पर्वो को जान सकेगा एवं तुलनात्मक अध्ययन कर सकेगा। • LS 616 • किसी नवीन विषय पर विचार व्यक्त कर पाते हैं।	• सरल वार्तालाप के एक पक्ष दिये जाने पर दूसरे पक्ष को छात्रों द्वारा पूर्ति की जा सकेगी। • मेला में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों को सूचीबद्ध कर वर्णन कर सकेगें। • LS 616
दशमः पाठः बालगीतम्	• सस्वर पठन–पाठन अनुवाद • भाषिक कार्य • व्याकरणिक कार्य • प्रश्नोत्तर अभ्यास	• संस्कृत गीत को लयबद्ध शुद्ध उच्चारण एवं हाव–भाव के साथ गा सकेगा। • गीतो का सहज अनुवाद कर सकेगा। • LS 604 • अपने परिवेश में मौजूद लोक कथाओं एवं लोकगीतों के नाम संस्कृत में प्रस्तुत करते	• द्वितीया विभक्ति को जान सकेगा एवं इसी प्रकार वाक्य में प्रयोग कर सकेंगे। • LS 614 • कारक विभक्तियों का दैनिक जीवन में प्रयोग कर पाते है।	• इसी भाव के अन्य संस्कृत गीतो का संकलन एवं तुलना • LS 616 • किसी नवीन विषय पर विचार व्यक्त कर पाते है।	• क्षेत्रीय लोकगीतो का संकलन कर गायन करना। • LS 612 • विभिन्न अवसरों पर कही जा रही बातों कों अपने ढंग में लिखते है।

		है। जैसे–सुआ नृत्य–शुकनृत्यम्, डण्डा नाच–दण्ड नृत्यम्, चूलमाटी गीत–चूलमाटी गीतम् आदि।			
एकादशः पाठः शृङ्गिऋषेः नगरी	• पठन–पठन अनुवाद • भाषिक कार्य • व्याकरणिक कार्य • प्रश्नोत्तर अभ्यास	• कठिन शब्दों के अर्थ को जान पायेगा। • धमतरी जिला के अन्तर्गत आने वाले अन्य दर्शनीय स्थलों को जान पायेगा। • LS 607 • संस्कृत के नये–नये शब्दों के अर्थ संग्रह कर शब्द भण्डार में वृद्धि करते हैं	• शृङ्गिऋषि का जीवन परिचय जान पायेगा। • ग्राम के प्रमुख देवी देवताओं का नाम जान सकेगा। • LS 616 • किसी नवीन विषय पर विचार व्यक्त कर पाते हैं।	• छ.ग. के ऋषियों की जानकारियाँ व्यवस्थित कर सकेगें। • LS 611 • नए शब्दों के प्रति जिज्ञासा व्यक्त करते हैं और उसका अर्थ समझने के लिए शब्दकोश का प्रयोग करते हैं।	• छ.ग. के ऋषियों का तुलनात्मक ज्ञान प्राप्त कर सकेगा। • LS 616 • किसी नवीन विषय पर विचार व्यक्त कर पाते हैं।
द्वादशः पाठः अस्माकम् आहारः	• पठन–पठन अनुवाद • भाषिक कार्य • व्याकरणिक कार्य • प्रश्नोत्तर अभ्यास	• कठिन शब्दों के अर्थो को जान सकेगा। • संतुलित एवं पौष्टिक आहार के विषय में जान सकेगा। • LS 601 • स्थानीय भाषा के शब्दों यथा रांधना, खाना, चलना, खेलना शब्दों को संस्कृत में व्यक्त करते हैं।	• दुध में पाये जाने वाले खनिज तत्वों को जान पायेगा। • दूध, दही, एवं घी के उपयोग के बारे में जान सकेगा। • LS 609 • किसी पाठ्य वस्तु की बारिकी से जाँच करते हुए उनमें दिये विशेष बिन्दु को खोजते हैं। अनुमान लगाते हैं। निष्कर्ष निकालते हैं।	• घर में उपयोग होने वाले सब्जियों का चित्र बनाकर संस्कृत में नाम लिख सकेंगे। • घर में उपयोग होने वाले फलों का चित्र बनाकर संस्कृत में नाम लिख सकेंगें। • LS 602 • दैनिक जीवन में प्रयुक्त सामग्रियों के नाम संस्कृत में प्रस्तुत करते हैं जैसे– सब्जी–शाकम, फल–फलम्, पेड़–वृक्षः, छत्ता–छत्रम्, पानी–जलम्, पेन–लेखनी आदि।	• दैनिक जीवन में प्रयोग होने वाले सामग्रियों को सूचीबद्ध कर उनके गुणों का तुलनात्मक अध्ययन कर सकेगा। • अन्न वर्ग का संस्कृत नाम संकलन कर सकेंगे। • LS 616

कक्षा – 7

Chapter	Sub-topics	Level 1	Level 2	Level 3	Level 4
अध्याय	उप–विषय	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	स्तर 4
पाठ के बाद, विद्यार्थी कर सकेंगे :		याद करना, स्मरण करना, सूचीबद्ध करना, खोजना, लेबल करना, वर्णन करना।	समझना, व्याख्या करना, संक्षेप में लिखना, उदाहरण देना, मेल करना।	प्रयोग करना, व्यवस्थित करना, उपयोग करना, हल करना, साबित करना, चित्रण करना।	मूल्यांकन करना, परिकल्पना करना, विश्लेषण करना, तुलना करना, सृजन करना, वर्गीकरण करना।
प्रथमः पाठः प्रयाणगीतम्	• सस्वर गीत वाचन • व्याकरणिक कार्य • प्रश्नोत्तर और अभ्यास	• गीत को लय पूर्वक गा सकते है गायन कला से परिचित होंगे। • मातृभूमि के प्रतिप्रेम • कठिन शब्दों के अर्थ जान सकेंगे। • अव्यय की पहचान कर सकेंगे। • LS 703 • सामूहिक चर्चा कर एक दुसरों के विचारों को आदान प्रदान कर सकते हैं।	• भारत वर्ष के विभिन्न क्षेत्रों को उनके विशेषताओं को जान सकेंगें। जैसे चन्दनतुल्य, तपस्थली, गंगा आदि, परिश्रम से भाग्य निर्माण को समझ सकेंगे। • LS 703	• पाठ में निहित जीवन मूल्यों को अपने जीवन में उतार सकेंगे। सदाचरण की ओर प्रवृत्त होंगे। • अव्ययों का यथोचित स्थानों पर प्रयोग कर सकेंगे। • लट्लकार का प्रयोग कर सकेंगे जैसे– गायति, खेलति आदि। • LS 711 • विशेषबिन्दु की खोज व निष्कर्ष।	• मातृभूमि के महत्त्व को अभिव्यक्त कर सकेंगे। भारत के कर्मठ–पुरूषों का वर्गीकरण कर सकेंगे। भारत के सैनिकों के पराक्रम का विश्लेषण कर सकेंगे। • LS 711
द्वितीयाः पाठः छत्तीसगढस्य प्रमुखपर्वाणि	• सस्वर वाचन • अनुवाद • मौखिक कार्य • व्याकरणिक कार्य • प्रश्नोत्तर अभ्यास	• छ.ग. के स्थानीय पर्वों के नाम महत्त्व संस्कृत में जानेंगे • छत्तीसगढी शब्दावली से संस्कृत के पदों को जानेंगे • वचन से परिचित हो सकेंगे • स्वर सन्धि से परिचित होंगे • LS 704 • विभिन्न नामों को संस्कृत में जान सकेंगे।	• मानव जीवन में उत्सवों के महत्त्व को जान सकेंगे। • विविध पर्वों में पहने जाने वाले वस्त्र व आभूषणों की व्याख्याकर सकेंगे। • छ.ग. की संस्कृति को उदाहरण दे कर समझा सकेंगें जैसे– छेर–छेरा, जवारा आदि • स्वर सन्धि के उदाहरण को पहचान सकेंगे।	• हिन्दी महीनों के अनुसार पर्वों को व्यवस्थित कर सकेंगे। • विविध पर्वो में बनाए जाने वाले खादय पदार्थो का चित्रण कर सकेंगे। • अमावस्या व पूर्णिमा कब होता है साबित कर पायेंगे • LS 709 + LS 711 • व्याकरणिक नियमों का	• छ.ग. के पर्वो के महत्त्व को अभिव्यक्त कर सकेंगे। • छ.ग. के पर्वों को उनके महत्त्व के आधार पर वर्गीकृत • लट्लकार में धातुओं को एकवचन से बहुवचन में परिवर्तित कर सकेंगे।

			• LS 709 + LS 711	वाक्यों में पालन कर सकेंगे।	• LS 709 + LS 711
तृतीयाः पाठः सङ्गणकः	• पठन • अनुवाद • मौखिक कार्य • व्याकरणिक कार्य • प्रश्नोत्तर अभ्यास	• सङ्गणक के विभिन्न अंगों को सूचिबद्ध कर सकेंगे। • संगणक के विभिन्न कार्यो का वर्णन कर पायेंगे। • कठिन शब्दों के अर्थ खोजेंगे। • LS 701 • यन्त्रों के नाम संस्कृत में जान कर व्यक्त कर सकेंगे।	• संगणक की समझ विकसित होगी। • संगणक के विविध उपयोग का उदाहरण दे सकेंगे। • इंटरनेट के बारे में लिख सकेंगे। • LS 701	• सरलभाषा में संस्कृत का प्रयोग कर सकें। • संगणक की जानकारियों को व्यवस्थित कर सकेंगे। • संगणक के शब्दावलियों को व्यवस्थित कर सकेंगे। • LS 701	• आज के समय में संगणक के महत्व का आंकलन कर सकेंगे। • संगणक द्वारा किये जाने वाले कार्यो का विश्लेषण कर सकेंगे। • संगणक के उपयोग का वर्गीकरण कर सकेंगे। • LS 711 • सरल वाक्यों का सृजन कर सकेंगे। • विशेष बिन्दु को खोजना निष्कर्ष निकालना।
चतुर्थः पाठः रायपुरनगरम्	• सस्वर वाचन • अनुवाद • भावार्थ • मौखिक कार्य • व्याकरणिक कार्य • प्रश्नोत्तर अभ्यास	• पाठ के महत्त्वपूर्ण अंशो को स्मरण रखेंगे। • रायपुर नगर के विशेषताओं को सूचीबद्ध करेंगे। • अत्र अव्यय से परिचित होंगे। • LS 705 • गद्य पाठ को पढ़ सकेंगें	• रायपुर के विशेषताओं को समझेंगे। • रायपुर के विषय में संक्षेप में लिख सकेंगे। अन्य नगरों के उदाहरण से रायपुर का मेल कर सकेंगें। • अस्ति–सन्ति का उदाहरण दे सकेंगे।	• रायपुर के विशेषताओं को व्यवस्थित करना। • रायपुर नगर का चित्रण अपने शब्दों में करने में समर्थ होंगे। • पाठ में प्रयुक्त अव्ययों का वाक्य में प्रयोग कर सकेंगे।	• रायपुर नगर का मूल्यांकन कर सकेंगे। • रायपुर नगर के तालाबों मन्दिरों विश्व विद्यालयों का वर्गीकरण कर सकेंगे। • यत्र–तत्र से नवीन वाक्यों का सृजन कर सकेंगे। • LS 703 • सामूहिक चर्चा कर विचारों का आदान प्रदान।

पञ्चमः पाठः **चाणक्य वचनानि**	• श्लोकों का सस्वर वाचन • अनुवाद • भावार्थ • मौखिक कार्य • व्याकरणिक कार्य • प्रश्नोत्तर अभ्यास	• श्लोकों को याद करना, श्लोकों के भावार्थो का वर्णन करना, • श्लोकों में निहित मूल्यों का खोज करेंगे, • आत्मनेपद के रूपों को खोजेंगे। • LS 707 • श्लोकों में निहित भाव को समझना।	• श्लोकों के अर्थ को समझेंगे, श्लोकों की व्याख्या कर सकेंगे। • भावार्थ को संक्षेप में लिखना, काकः कृष्णः को उदाहरण दे सकेंगे। • LS 712	• श्लोकों में निहित भावों को अपने जीवन में प्रयोंग कर सकेंगे। • विविध अवसरों पर इन श्लोकों की महत्व साबित कर सकेंगें। • आत्मनेपद के रूपों का प्रयोग कर सकेंगे। • श्लोकों को उतार चढाव के साथ पढना	• पाठ में श्लोकों का मूल्यांकन कर सकेंगे, श्लोकों के भावार्थो का विश्लेषण कर सकेंगे, • विविध क्षेत्रों में इन श्लोकों की उपयोगिता का वर्गीकरण कर सकेंगे। • LS 711 • विशेष बिन्दु को खोजकर निष्कर्ष निकालेंगे।
षष्ठः पाठः **ईदमहोत्सवः**	• सस्वर वाचन • अनुवाद • भावार्थ • मौखिक कार्य • व्याकरणिक कार्य • प्रश्नोत्तर अभ्यास	• ईद के महत्त्व को याद रखेगा, • ईद महोत्सव में होने वाले कार्यो का सूचीबद्ध करेगा, • अद्य, स्वः जैसे अव्यय की खोज करेगा। • LS 704 • अपनी भाषा के शब्दों को संस्कृत में व्यक्त कर सकते है।	• ईद के महत्त्व को समझेगा। • ईद महोत्सव के विषय में संक्षेप में लिख सकेगा। • ईद महोत्सव को अन्य उत्सवों से उदाहरण देकर मेल कर सकेगा। • LS 704	• ईद में किये जाने वालों कार्यों को व्यवस्थित कर पायेंगे। • उत्सव के उपयोगों की चित्रण कर पायेगें। • LS 713 • नए शब्दों के प्रति जिज्ञासा व्यक्त कर उसका अर्थ समझने के लिए शब्दकोश का प्रयोग करते है।	• संस्कृत में वार्तालाप की परिकल्पना करना। • अन्य उत्सवों एवं ईद उत्सव की तुलना कर सकेंगें। • LS 713
सप्तमः पाठः **गीताऽमृतम्**	• पाठ का पठन • अनुवाद • मौखिक कार्य • व्याकरणिक कार्य • प्रश्नोत्तर अभ्यास	• श्लोकों का लय बद्ध ढंग से शुद्धोच्चारण के साथ पठन पाठन • अनुवाद कर सकेंगें साथ ही कठिन शब्दों के अर्थ जान सकेंगे। • LS 707 • श्लोंको का शुद्धोच्चारण के साथ निहित भाव को समझते हैं।	• कठिन पदों का सन्धि विच्छेद एवं सामासिक पदों का समास विग्रह कर सकेंगे। • क्रियापदों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। • गच्छति, सृजामि, देहि, प्रणश्यति, साथ ही तुमुन् प्रत्यय से बनने वाले शब्द की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। • LS 707	• श्लोंकों का अन्वय कर अनुवाद कर सकेंगे। • वासांसि जीर्णानि..... पुराने वस्त्र को छोड़कर मनुष्य नवीन वस्त्र धारण करता है आदि भावों को ह्रदयांगम कर सकेंगे। • LS 707	• गीताऽमृतम् पाठ में आए शब्दरूपों को जान पायेंगे– जीर्णानि , जातस्य, फलेषु, ज्ञानम्, यो, आदि शब्दों का प्रयोग कर वाक्य निर्माण का प्रयास करेंगे साथ ही विलोम पदों व पर्यायवाची का

					अभ्यास कर सकेंगे। • LS 716 • कारक विभक्तियों का दैनिक जीवन में प्रयोग कर पाते हैं।
अष्टमः पाठः भोरमदेवः	• पाठ का पठन • अनुवाद • मौखिक कार्य • व्याकरणिक कार्य • प्रश्नोत्तर अभ्यास	• कठिन शब्दों के अर्थो को जान पायेगा, • भोरमदेव के महत्त्व को जान सकेगा। • क्रियापदों को स्मरण कर अर्थ जान पायेगा। • LS 717 • विभक्ति लकारों का उचित प्रयोग कर वाक्य बना सकता है।	• कठिन पदों के अर्थ ज्ञान पूर्वक वाक्य के अर्थ का व्याख्या कर सकेगा। • भारेमदेव के इतिहास आधारित उदाहरण प्रस्तुत कर सकेगा। • क्रियापदों की समझ बढा सकेगा। • LS 717	• कठिन शब्दों को लेकर नये वाक्यों का प्रयोग कर सकेगा। • ऐतिहासिक स्थलों के चित्रों को देखकर उन्हें व्यवस्थित कर सकेगा। • क्रियापदों को साबित कर सकेगा।	• छ.ग. के अन्य ऐतिहासिक स्थलों के विषय में जान कर भोरमदेव से तुलना कर सकेगा • लकार एवं प्रत्ययों को समझकर नये वाक्यों सृजन कर सकेगा। जैसे– दृष्ट्या, जातम्, स्मारयन्ति, प्रतिष्ठितः आदि। • LS 711 • विशेष बिन्दु को खोजकर अनुमान लगाकर निष्कर्ष निकाल सकेगा।
नवमः पाठः आदर्शः छात्रः	• पाठ का पठन • अनुवाद • मौखिक कार्य • व्याकरणिक कार्य • प्रश्नोत्तर अभ्यास	• संवाद शैली से परिचित होते हुए हाव–भाव पूर्वक संवादों का वाचन कर सकेगा। • प्रश्नवाचक पदों को स्मरण कर सकेगा। • छात्र व गुरु के महत्व को खोज सकेगा। • स्त्रीलिंग के पदों को जानेगा। • LS 710	• छात्र पद के भाव को समझकर आदर्श छात्र के विषय में संक्षेप में लिख सकेगा। • अनुशासन को उदाहरण दे सकेगा, व छात्र जीवन में अनुशासन का मेल कर सकेगा।	• मानवीय मूल्यों के तत्वों को जीवन में प्रयोग कर सकेगा। • विभिन्न पदों में से स्त्रीलिंग पदों को छाँटकर व्यवस्थित करेगा।	• विभिन्न गुरु–शिष्यों की सूची बनाकर उनके कार्यानुसार वर्गीकरण कर तुलना कर सकेगा। • आदर्श छात्रों के उदाहरणों से स्वीकार्य गुणों का वर्गीकरण करके आत्म विश्लेषण कर अपने अन्दर

		• संवाद को पढ़कर आपस में छोटे–छोटे संवाद कर पाते हैं।			हाव–भावों को सृजित कर मूल्यांकन कर सकेगा। • LS 714 • विभिन्न अवसरों पर कही जा रही बातों को अपने ढ़ंग से लिखते है।
दशमः पाठः छत्तीसगढराज्यस्य लोकभाषाः छ.ग. की बोलियाँ	• पठन • अनुवाद • भाषिक कार्य • व्याकरणिक कार्य • प्रश्नोत्तर अभ्यास	• पाठ को गद्य के अनुरुप सही गति व लय से पढ़ सकता है। • पाठ में प्रयुक्त कठिन पदों के अर्थ जान सकता है। • छत्तीसगढ़ की विभिन्न बोलियों तथा उनके क्षेत्र को जान सकेगा। • LS 713 • नए शब्दों के प्रति जिज्ञासा कर अर्थ समझने का प्रयास करें।	• छत्तीसगढ़ के सभी 27 जिलों की बोलियों के आधार पर मेल कर सकेगा। जैसे– सरगुजिया, भोजपुरी, हल्बी, गोंडी आदि • सन्धि युक्त पदों को विच्छेदित कर लिख सकेगा, जैसे– इत्यादयाः, स्थितास्ति आदि	• दिशा ज्ञान पूर्वक छ.ग. के भौगोलिक स्थिति के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों की बोलियों की व्यवस्थित कर सकेगा। • शब्दरूपों के उपयोग कर सकेगा, क्षेत्रे, समीपे, जिलायाम् आदि। • LS 716 • कारक विभक्तियों की दैनिक जीवन में प्रयोग कर सकेगा।	• छत्तीसगढ़ के लोकभाषा पर अनुच्छेद व निबन्ध लेखन कर सकता है। • विभिन्न लोकभाषा बोलियों का तुलना करना। • संस्कृत भाषा के साथ स्थानीय बोलियों की तुलना कर।
एकादशः पाठः पितरं प्रति पत्रम्	• पठन • अनुवाद • भाषिक कार्य • व्याकरणिक कार्य • प्रश्नोत्तर अभ्यास	• पत्र का सही–सही वाचन कर सकेगा। • कठिन शब्दों के अर्थ जान सकेगा। • संस्कृत भाषा के व्यवहारिकता जान सकेगा। • LS 703 • सामूहिक चर्चा कर विचारों की आदान–प्रदान कर सकेगा	• पत्राचार के मर्यादा को समझ सकेगा। • क्रियापदों की व्याख्या कर सकेगा। जैसे– करोमि, कृ धातु लट्लकार उत्तमपुरुष एकवचन आदि। • LS 709	• पितरं प्रति पत्रम् के समान, मित्रं प्रति पत्रम् आदि बनाना जान सकेगा। • क्रियापदों को व्यवस्थित कर सकेगा, जैसे लकार, वचन, पुरुष, के अनुसार • LS 709 • व्याकरणिक नियमों का छोटे–छोटे वाक्यों में पालन कर सकते हैं।	• विभिन्न पत्रों को पढ़कर तुलना कर सकेगा, नये पत्र लेखन करने में समर्थ होगा। • 'ह्यः', अव्यय का वाक्य में प्रयोग कर नए–नए वाक्यों का सृजन कर सकेगा। • LS 709

द्वादशः पाठः संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्	• पठन • अनुवाद • भाषिक कार्य • व्याकरणिक कार्य • प्रश्नोत्तर अभ्यास	• संस्कृत भाषा के महत्व को जान सकेंगें, साथ ही संस्कृत भाषा में छिपी रहस्यों को समझ सकेंगे। • विभक्तियों जैसे– भाषाषु, संसारस्य, अस्माकं, काव्ये आदि शब्दों के रूपों को खोज सकेगा। • LS 713 • नए शब्दों के प्रति जिज्ञासा व्यक्त करते हैं, शब्दकोश का प्रयोग करते है।	• संस्कृत भाषा के प्राचीन प्रसिद्ध ग्रन्थों के विषय में संक्षेप में लिख सकेगा। • विभक्तियों जैसे भाषसु– भाषा, सप्तमी विभक्ति बहुवचन के सदृश अन्य उदाहरण प्रदान कर सकेगा। • LS 713	• विभिन्न ग्रन्थों को उसके समय क्रम व विधा के अनुसार व्यवस्थित कर सकेगा। • विभिन्न विभक्ति से युक्त शब्दों का उपयोग कर सकेगा। • पदों को सन्धि कर साबित कर सकेगा। • LS 704 • अपनी भाषा के शब्दों को संस्कृत शब्दों में व्यक्त कर सकते हैं।	• संस्कृत के शब्दावली भण्डारण से संस्कृत में वार्तालाप करने की परिकल्पना करेगा। • संस्कृत के नये–नये वाक्यों का सृजन कर सकेगा। • मानवीय मूल्यों के आदर्शो का विश्लेषण कर सकेगा। • LS 704

कक्षा –8

Chapter	Sub-topics	Level 1	Level 2	Level 3	Level 4
अध्याय	उप–विषय	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	स्तर 4
पाठ के बाद, विद्यार्थी कर सकेंगे :		याद करना, स्मरण करना, सूचीबद्ध करना, खोजना, लेबल करना, वर्णन करना	समझना, व्याख्या करना, संक्षेप में लिखना, उदाहरण देना, मेल करना	प्रयोग करना, व्यवस्थित करना, उपयोग करना, हल करना, साबित करना, चित्रण करना	मूल्यांकन करना, परिकल्पना करना, विश्लेषण करना, तुलना करना, सृजन करना, वर्गीकरण करना
प्रथमः पाठः मङ्गलकामना	• पाठ का पठनम् • अनुवादः • भाषिक कार्यः • व्याकरणिक कार्यः • प्रश्नोत्तर अभ्यास	• श्लोक को लय के साथ शुद्ध उच्चारण पूर्वक पढ़ेगा • पाठ का अनुवाद जानेगा। • कठिन शब्दों का शब्दार्थ जानेगा। • पद्य रचना के स्वरूप को जानेगा। • LS 807	• पाठ में प्रयुक्त भाषिक पदों के पर्यायवाची, विलोम पद व पदों की प्रकृति(प्रातिपदिक, क्रियापद, अव्यय, आदि) को जानेगा। • सन्धि, समास, उपसर्ग पदों को पहचानेगा। • संयुक्त पदों को विच्छेद करेगा। • LS 807 •	• पाठ में प्रयुक्त निम्नलिखित क्रियारूपों को जानेगा– दा(यच्छ्) लोट्लकार, भू(भव्) विधिलिङ्लकार • निम्नलिखित शब्दरूपों के बारे में जानेगा – मातरं, गुरुन्, भारते, मानवः। • LS 807 • पद्य पाठ को पढ़ना, समझना, भाषान्तर, भाषिक शब्दों की व्याख्या कर प्रयुक्त लकारों व रूपों का अन्य वाक्य में प्रयोग करेगा।	• पद्य रचना को लय के साथ पढ़ेगा एवं अनुवाद लिखेगा। • पाठ के भाषिक व व्याकरणिक पदों की व्याख्या करेगा। • 'दा' धातु के लोट्लकार व 'भू' धातु के विधिलिङ्ग रूपों के आधार पर अन्य वाक्यों की रचना करेगा। • अत्र, तत्र, च, अपि, सदा, किञ्चित् अव्यय पदों का अन्य वाक्यों में प्रयोग करेगा। • LS 807
द्वितीयाः पाठः छत्तीसगढस्य लोकगीतानि	• पाठ का पठनम् • अनुवादः • भाषिक कार्यः • व्याकरणिक कार्यः	• पाठ को गद्य के अनुरुप स्पष्टता से पढ़ सकता है। • पाठ में प्रयुक्त कठिन पदों के अर्थ जान सकता है। • पाठ का हिन्दी में भाषानुवाद कर सकता है।	• पाठ में प्रयुक्त पर्यायवाची अत्र, जनः, अतीव, परम्परा, उत्सवः • विलोमपदों में अनेकः, प्रसिद्धः, लोकप्रियः, वैशिष्ट्यम्, आनन्दम्, अतीव।	• धातुरूपों को जानना 'चल्' लट्लकार, 'गै' लट्लकार • शब्दरूप को जानना 'गीत' नपुंसकलिङ्ग, 'भाषा' स्त्रीलिङ्ग।	• छत्तीसगढ़ के लोकगीतों पर अनुच्छेद व निबन्ध लेखन कर सकना। • विभिन्न प्रकार के लोकगीतों की तुलना करना। • LS 804

	• प्रश्नोत्तर अभ्यास	• छत्तीसगढ़ की विभिन्न लोकगीतों व उनकी भाषा तथा क्षेत्र के विषय में जानेंगे। • LS 804	• सन्धि विच्छेद– विविधताऽस्ति, संस्कारावसरे, इत्युच्यते, विवाहावसरे, विदागीतञ्च, अतीव को जानेंगे। • LS 804	• पदों की विभक्ति– अस्माकम्, अस्मिन्, लोकगीतेषु, गीतानि, जनैः, देव्याः, मासे, एतेषां, कृतवन्तः को जानना। • LS 804	• संस्कृत में लोकगीत विषय पर छोटे–छोटे सरल वाक्य में अपना विचार व्यक्त कर सकेंगे।
तृतीयाः पाठः अनुशासनम्	• पाठ का पठनम् • अनुवादः • भाषिक कार्यः • व्याकरणिक कार्यः • प्रश्नोत्तर अभ्यास	• पाठ को गद्य के अनुरूप स्पष्टता से पढ़ना। • पाठ का हिन्दी में भावानुवाद करना। • पाठ में प्रयुक्त कठिन पदों के अर्थ जानना। • जीवन में अनुशासन के महत्व को जानना। • LS 811 • विभिन्न विषयों उद्देश्यों के लिए उचित व्याकरणिक तत्वों का उपयोग करते हैं।	• पाठ में प्रयक्त विलोम पद दृढम् बाह्य, विना, उन्नतिः, साफल्यप्रदं, धैर्यशीलः। • उपसर्ग युक्त पद– निर्, अनु, परि, उद्, सम्, सु। • पाठ में प्रयुक्त संधिपदों का विच्छेद– बाह्यानुशासनं, भवतीति, विनयञ्च। • LS 811	• पाठ में प्रयुक्त शब्दरूप, कर्मणि धातुरूप, सामासिक पद की व्याख्या करना। • अनुशासन का स्वजीवन में समाज व राष्ट्र में क्या प्रभाव होता है उसकी व्याख्या करना। • LS 802	• दैनिक जीवन में स्वयं तथा अन्य व्यक्तियों के व्यवहार को देखकर अनुशासन तत्व का मूल्यांकन करना एवं अनुशासन विषय पर लेख लिख सकना। • LS 802 • पाठ्यवस्तु में निहित पाठों के उद्देश्यों को व्यवहारिक जीवन में ला सकते हैं।
चतुर्थः पाठः सुभाषितानि	• पाठ का पठनम् • अनुवादः • भाषिक कार्यः • व्याकरणिक कार्यः • प्रश्नोत्तर अभ्यास	• श्लोक को लय के साथ शुद्ध उच्चारण पूर्वक पढ़ना। • कठिन पदों के शब्दार्थ जानना। • पाठ का अनुवाद जानना। • पाठ में दिये गये सुभाषितों की नैतिक शिक्षा को जानना। • LS 806	• पाठ में प्रयुक्त पर्यायवाची– विद्या, माता, पृथ्वी, पत्नी, वृक्षः, मूर्खः, पयः, निशा, विभुः। • सन्धि विच्छेद– नरोवार्यधिगच्छति, सप्तैता, तथैव, निर्गधाइव, मूर्खाश्च, मृदङ्गेऽपि। • समासपदों को विग्रह सहित जानना– गुरूगता, राजपत्निका, पितरः, रूपयौवन। • LS 806	• पाठ में प्रयुक्त धातुरूप कृदन्त पदों का विश्लेषण एवं प्रयोग जानना। धातुरूप– गच्छति, नमन्ति,शोभन्ते, याति, विभांति। • LS 806	• श्लोकों की व्याख्या करना एवं व्यवहारिक जीवन से जोड़ना तथा श्लोक शिक्षा पर आधारित लेख तैयार करना। • LS 806 • पाठ के श्लोकों में निहित नैतिक मूल्यों को जान सकें एवं व्यवहारिक जीवन में प्रयोग कर सकें।

पञ्चमः पाठः **डॉ. सर्वपल्लीराधाकृष्णन्**	• पाठ का पठनम् • अनुवादः • भाषिक कार्यः • व्याकरणिक कार्यः • प्रश्नोत्तर अभ्यास	• पाठ को शुद्धता के साथ पढ़ना। • कठिन पदों के अर्थ जानना। • हिन्दी भाषा में अनुवाद करना। • डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् का संक्षिप्त जीवन परिचय को जानना। • LS 810	• विलोमपद– उच्च, उत्तीर्ण, महत्, ख्यातिः, कृतज्ञः। • सन्धि पद– चिन्तकश्च, कोऽपि, विद्याभ्यासम्। • विशेषण–विशेष्य की पहचान करना– प्रारम्भिकी शिक्षा, महान पण्डितः, अनेकानि पुस्तकानि, अखिलं जीवनंम्। • LS 810 • नए शब्दों के प्रति जिज्ञासा व्यक्त करते हैं और उसका अर्थ समझने के लिए शब्दकोश का प्रयोग करते हैं।	• लङ्लकार क्रियारूपों को जानना– अभवत्, आसीत्, अकरोत्, अरचयत्। • भूतकालिक कृदन्त पद– गृहीतवान्, अलङ्कृतवान्, नियुक्तः, जातः, प्रसरिता, सम्मानितः • सामासिक पद– धर्मपरायणा, मख्य–विषयः, सुदीर्घ–कालम्, दर्शनशास्त्रम्, राजदूतः • LS 809	• डॉ. राधाकृष्णन् के जन्म, शिक्षा, व्यवसाय, राष्ट्रसेवा से सम्बन्धित विषयों की व्याख्या करना। अन्य महापुरुष का जीवनवृत लिख सकना। • LS 809 • किसी पाठ्य वस्तु की बारिक से जाँच करते हुए उनमें दिए विशेष बिन्दु को खोजते हैं, अनुमान लगाते है निष्कर्ष निकालते हैं।
षष्ठः पाठः **प्राच्यनगरी सिरपुरम्**	• पाठ का पठनम् • अनुवादः • भाषिक कार्यः • व्याकरणिक कार्यः • प्रश्नोत्तर अभ्यास	• पाठ को शुद्धता के साथ पठन–पाठन करना। • कठिन शब्दों के अर्थ जानकर हिन्दी भाषा में अनुवाद करना। • सिरपुर की ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक विशेषता को जानना।	• पाठ में आये विशेष पर्यायवाची, विलोम, सन्धि, समास, अव्यय पदों को जानना। • विषय वस्तु आधारित प्रश्नों के उत्तर देना। • विशेषण–विशेष्य पदों की पहचान करना। • LS 805	• पाठ में आये हुए शब्दों का शब्दरूपों, क्रियारूपों, कृदन्त पदों की व्याख्या करना। • सन्धि विच्छेद व समास विग्रह करना। • उपसर्ग युक्त धातुरूपों की व्याख्या करना। • LS 805 • संधि, समास, पर्यायवाची, कारक, लिंग, विभक्ति, वचन, पुरुष काल के विषय में जानना व उनका प्रयोग करना।	• सिरपुर की ऐतिहासिकता एवं प्राचीनता की व्याख्या कर अन्य इसी प्रकार के ऐतिहासिक–पुरातात्विक स्थल से तुलना करना। एवं सिरपुर पर आधारित निबन्ध लेखन करना। • LS 806 • पुरातात्विक महत्व को पढ़कर सम्बन्धित मूल्यों को समझना।
सप्तमः पाठः **गीतागङ्गोदकम्**	• पाठ का पठनम् • अनुवादः • भाषिक कार्यः • व्याकरणिक कार्यः • प्रश्नोत्तर अभ्यास	• श्लोकों को लय पूर्वक स्पष्टता से पढ़ना, श्लोकों का अनुवाद करना। • कठिन शब्दों का अर्थ जानना। • गीता के उद्धृत श्लोकों को जानना। • LS 813	• पाठ के प्रमुख पदों के पर्यायवाची, विलोम, उपसर्ग, सन्धि, व समास पदों को जानना। • पाठ से सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर देना। • LS 813 • कारक चिन्हों/विभक्तियों/लकारों का प्रयोग दैनिक जीवन में कर पाते हैं।	• पाठ में प्रयुक्त क्रिया पदों सन्धि व समास की व्याख्या विश्लेषण करना। • LS 802	• विद्यार्थी गीता के श्लोकों को समझकर उसकी व्याख्या व विस्तार करता है एवं दैनिक जीवन के व्यवहार से जोड़ता है। • LS 802 • पाठ्यवस्तु में निहित पाठों के उद्देश्यों को व्यवहारिक जीवन व्यवहार में ला सकते हैं।

अष्टमः पाठः ग्राम्यजीवन	• पाठ का पठनम् • अनुवादः • भाषिक कार्यः • व्याकरणिक कार्यः • प्रश्नोत्तर अभ्यास	• पाठ को शुद्धता के साथ पढ़ना व कठिन पदों के शब्दार्थ जानकर अनुवाद करना व ग्राम्यजीवन के वातावरण एवं उपयोगी वस्तु के विषय में जानना। • LS 810 + LS 805 • नए शब्दों के प्रति जिज्ञासा व उनकी अर्थ समझने के लिए शब्दकोश का प्रयोग करते है।	• पाठ में प्रयुक्त विलोम, पर्यायवाची, सन्धि, समास, कृदन्त पदों की व्याख्या व विश्लेषण करना। • ग्राम्यजीवन शैली का वर्णन करना। • ग्राम्यजीवन में उपयोगी वस्तुओं की सूची बनाना। • LS 805 • संधि, समास, अव्यय की जानकारी व प्रयोग करते हैं।	• विद्यार्थी ग्राम्यजीवन का शहरी जीवन के साथ तुलना करता है। व ग्राम्य जीवन के आधार पर शहरी जीवन की तुलना करता है। • ग्राम्य जीवन पर अपने विचार व्यक्त करता है। • LS 803	• LS 803 • ग्राम्यजीवन की सामूहिक चर्चा करते हैं।
नवमः पाठः षड्ऋतुवर्णनम्	• पाठ का पठनम् • अनुवादः • भाषिक कार्यः • व्याकरणिक कार्यः • प्रश्नोत्तर अभ्यास	• पाठ को शुद्धता के साथ पढ़ना व कठिन पदों के अर्थ जानकर अनुवाद करना। • छः ऋतुओं को जानना।	• पाठ में प्रयुक्त पर्यायवाची, विलोम, सन्धि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय, अव्यय, विशेषण–विशेष्य पदों की पहचान करना। • पाठ के विषय वस्तु से सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर देना। • LS 805 • सन्धि, समास, लिंग, कारक की जानकारी व प्रयोग करना।	• पाठ में प्रयुक्त शब्दरूप, क्रियारूप, सन्धि, समास पदों की व्याख्या व विश्लेषण करना। • सभी छः ऋतुओं की विशेषताओं से परिचित होना। • ऋतुओं के अनुसार ऋतु फसलों की सूची बनाना। • LS 806	• ऋतुओं के महत्व पर लेख तैयार करना है। अलग–अलग ऋतुओं में अन्तर करना। • LS 806 • प्राकृतिक चित्रण को समझकर व्यवहारिक जीवन में प्रयोग करते हैं।
दशमः पाठः राष्ट्रीयः सञ्चयः	• पाठ का पठनम् • अनुवादः • भाषिक कार्यः • व्याकरणिक कार्यः • प्रश्नोत्तर अभ्यास	• पाठ को शुद्धता के साथ पढ़ना व कठिन पदों के अर्थ जानकर अनुवाद करना। • बचत के विभिन्न योजनाओं एवं प्रकार के विषय में जानता है जैसे– कोषालय, डाकघर • LS 809 • किसी पाठ्यवस्तु की बारिकी से जाँच करते हुए उन में दिए विशेष बिन्दु को खोजते है। अनुमान लगाते है निष्कर्ष निकालते हैं।	• पाठ में प्रयुक्त पर्यायवाची, विलोम, संन्धि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय, अव्यय, विशेषण–विशेष्य पदों की पहचान करना। • पाठ के विषय वस्तु से सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर देना। • LS 805 • संधि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय, अव्यय, विशेषण–विशेष्य की जानकारी रखते है व प्रयोग करते हैं।	• पाठ में प्रयुक्त शब्दरूप, क्रियारूप, सन्धि, समास, पदों की व्याख्या व विश्लेषण करना। • देश की आर्थिक सामाजिक एवं औद्योगिक विकास के लिए धन के महत्त्व को जानना। • बचत योजनाओं एवं उनके स्थानों की सूची बनाना।	• बचत योजनाओं की प्रक्रियाओं को समझकर परिवार अथवा विद्यालय स्तर पर एक बचत योजना तैयार करना व क्रियान्वित करना। • LS 802 • पाठ्य वस्तु में निहित पाठों के उद्देश्यों को व्यवहारिक जीवन में व्यवहार में ला सकते हैं।

एकादशः पाठः **चतुर वानरः**	• पाठ का पठनम् • अनुवादः • भाषिक कार्यः • व्याकरणिक कार्यः • प्रश्नोत्तर अभ्यास	• पाठ को शुद्धता के साथ पढ़ना व कठिन पदों के अर्थ जानकर अनुवाद करना। • पंचतन्त्र में वर्णित वानर और मकर की मित्रता पर आधारित मित्र भेद की कहानी को जानता है। • LS 807 • कहानी में प्रयुक्त कठिन संस्कृत शब्दों के अर्थ जानते हैं तथा आवश्यकता अनुसार प्रयोग करते है।	• पाठ में प्रयुक्त, पर्यायवाची, विलाम, उपसर्ग, सन्धि, समास, विशेषण–विशेष्य पदों की पहचान करना। • पाठ के विषय वस्तु से सम्बन्धित प्रश्नों का उत्तर देना। • मित्र ओर अमित्र जीवों की जोड़ी बनाना। • LS 805 • सन्धि, समास, पर्यायवाची, विलोम, विशेषण–विशेष्य की जानकारी रखते है व प्रयोग करते हैं।	• पाठ में प्रयुक्त शब्दरूप, क्रियारूप, सन्धि, समास, पदों की व्याख्या करना। • कहानी के आधार पर वानर तथा मकर का चरित्र–चित्रण करता है एवं दोनों के स्वभाव में तुलना करता है। • अन्य पशुओं, जानवरों के व्यवहार और स्वभावों की तुलना करना।	• मित्र भेद पर चतुर वानर की कथा के आधार पर अन्य पात्रों को लेकर नयी कहानी की रचना करता है। पाठ में निहित शिक्षा पर लेख लिखता है। • विपरीत स्वभावों वालों की मित्रता का विश्लेषण करना। • LS 806 • कहानी में निहित मूल्यों से संबन्धित पाठों के मूल्यों को जान सकते है। समझकर व्यवहारिक जीवन में प्रयोग करते हैं।
द्वादशः पाठः **महर्षि दधीचिः**	• पाठ का पठनम् • अनुवादः • भाषिक कार्यः • व्याकरणिक कार्यः • प्रश्नोत्तर अभ्यास	• पाठ को शुद्धता के साथ पढ़ना व कठिन पदों के अर्थ जानना तथा अनुवाद करना। • महर्षि दधीचि की कथा के माध्यम से त्याग को समझते है। • भारतीय संस्कृति की त्याग परम्परा से परिचित है। • LS 810 • नए शब्दों के प्रति जिज्ञासा व्यक्त करते है और उसका अर्थ समझने के लिए शब्दकोश का प्रयोग करते हैं।	• पाठ में प्रयुक्त पर्यायवाची, विलोम, उपसर्ग, संधि, समास, विशेषण–विशेष्य, पदों की पहचान करनां। • पाठ में संकलित विषय वस्तु से सम्बन्धित प्रश्नों का उत्तर देना। • महर्षि दधीचि के चरित्र से प्रभावित होकर भारत के अन्य ऋषियों की सूची बनाना। • LS 813 • कारक, चिह्नों लकारों का प्रयोग दैनिक जीवन में करते हैं।	• पाठ में प्रयुक्त शब्दरूप, क्रियारूप, सन्धि, समास, पदों की व्याख्या करना। • कहानी के आधार पर महर्षि दधीचि का चरित्र–चित्रण करना। • LS 806	• भारतीय संस्कृति में ख्यातिलब्ध विभूतियों के त्याग का वर्णन करते हुए आलेख तैयार करना। • पाठ का नाट्य रूपान्तरण करना। • LS 806 • कहानी में निहित मूल्यों से सम्बन्धित पाठों के मूल्यों को जान सकेत है। समझकर व्यवहारिक जीवन में प्रयोग करते हैं।

दीक्षा एप कैसे इनस्टॉल करें ?

दीक्षा एप का उपयोग क्यों ?

- आसानी से कंटेंट एक्सेस - राज्य की सारी ई-सामग्री को दीक्षा पर देखा और पढ़ा जा सकता है वो भी बिना QR स्कैन किए
- डौन्लोडेड कंटेंट का ऑफलाइन रखाव - एक बार डाउनलोड किए गए कंटेंट को बिना इंटरनेट कनेक्शन के दोबारा एक्सेस किया जा सकता है ।
- बेहतर यूजर इंटरफ़ेस और तेज़ रफ़्तार से कंटेंट लोडिंग ।

दीक्षा एप को इनस्टॉल करने की पूर्वापेक्षाएँ :

- एंड्राइड OS 5.0 एवं उससे ऊपर का मोबाईल
- दीक्षा मोबाईल एप डाउनलोड और इनस्टॉल करने के लिए प्लेस्टोर एक्सेस करें।

1

प्लेस्टोर पर क्लिक करें।

2

सर्च-बॉक्स में दीक्षा टाइप करें

3

इनस्टॉल करने के बाद एप को ओपन करें

4

अपनी पसंदीदा भाषा चुनिये।

5

अपनी भूमिका का चयन करें - शिक्षक या विद्यार्थी।

6

एप को एक्सेस दें।

7

स्कैन पर क्लिक करें।

8

कैमरा को पाठ्यपुस्तक के QR कोड पर फोकस करें।

9

विषयवस्तु को प्ले करें।

सीखें कभी भी कहीं भी

समरूपता, वैधता, विश्वसनीयता

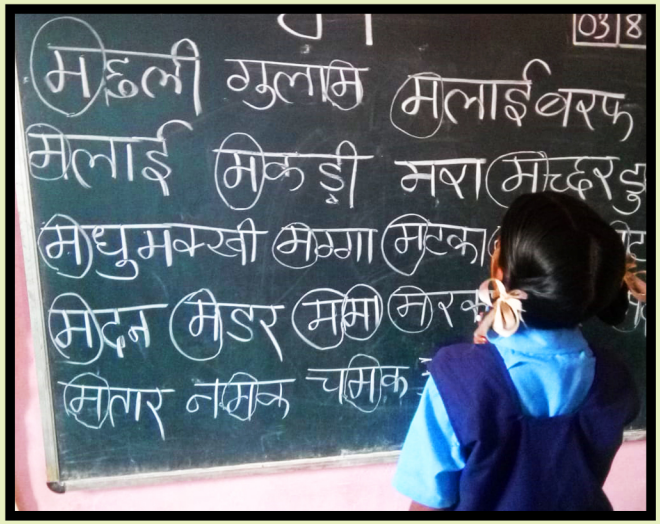

एस. एल. ए. आंकड़ों में

43,824 स्कूल

कक्षा – 1 से 8

विषय – समस्त

28,93,738 विद्यार्थी

उत्तर पुस्तिका – 1.41 करोड़